Scheme & Examination of Honors Hindi (B.A. I--VI. Sem.)

	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
B.A. I Sem				
प्रथम प्रश्नपत्र :	हिंदी नाटक	100	80	20
द्वितीय प्रश्नपत्र :	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	100	80	20
ततीय प्रश्नपत्र :	ऐच्छिक	100	80	20
चतुर्थ प्रश्नपत्र :	अनिवार्य	100	80	20
B.A. II Sem				
पाँचवाँ प्रश्नपत्र :	हिंदी उपन्यास	100	80	20
छठा प्रश्नपत्र :	साहित्यालोचन	100	80	20
सातवाँ प्रश्नपत्र :	ऐच्छिक	100	80	20
आठवाँ प्रश्नपत्र :	अनिवार्य	100	80	20
B.A. III Sem				
नौवाँ प्रश्नपत्र :	मध्यकालीन हिंदी कविता	100	80	20
दसवाँ प्रश्नपत्र :	आधुनिक हिंदी कविता	100	80	20
ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र :	कहानी साहित्य	100	80	20
बारहवाँ प्रश्नपत्र :	ऐच्छिक	100	80	20
B.A. IV Sem				
तेरहवाँ प्रश्नपत्र :	निबन्ध साहित्य	100	80	20
चौदहवाँ प्रश्नपत्र :	संस्मरण और आत्मकथा	100	80	20
पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र :	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल तथा रीतिकाल)	100	80	20
सोलहवाँ प्रश्नपत्र :	ऐच्छिक	100	80	20
B.A. V Sem				
सत्रहवाँ प्रश्नपत्र :	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	100	80	20
अठारहवाँ प्रश्नपत्र :	पत्रकारिता और अनुवाद	100	80	20
उन्नीसवाँ प्रश्नपत्र :	काव्यांग–परिचय	100	80	20
बीसवाँ प्रश्नपत्र :	ऐच्छिक	100	80	20
B.A. VI Sem				
इक्कीसवाँ प्रश्नपत्र :	निबन्ध लेखन	100	80	20
बाईसवाँ प्रश्नपत्र :	विशिष्ट कवि : विकल्प–१ : कबीरदास	100	80	20
बाईसवाँ प्रश्नपत्र :	विशिष्ट कवि : विकल्प–२ : सूरदास	100	80	20
बाईसवाँ प्रश्नपत्र :	विशिष्ट कवि : विकल्प–३ : कवि निराला	100	80	20
बाईसवाँ प्रश्नपत्र :	विशिष्ट कवि : विकल्प–४ : कवि अज्ञेय	100	80	20
तेईसवाँ प्रश्नपत्र :	विशिष्ट लेखक : विकल्प–१ : उपन्यासकार प्रेमचन्द	100	80	20
तेईसवाँ प्रश्नपत्र :	विशिष्ट लेखक : विकल्प–२ : नाटककार जयशंकर प्रसाद	100	80	20
तेईसवाँ प्रश्नपत्र :	विशिष्ट लेखक : विकल्प–३ : निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	100	80	20
चौबीसवाँ प्रश्नपत्र :	ऐच्छिक	100	80	20

Head, Dept. of Hindi

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

प्रथम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

पहला प्रश्नपत्र : हिन्दी नाटक

क -- पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक

१ मिस्टर अभिमन्यु : लक्ष्मीनारायण लाल

२ शम्बूक : जगदीश गुप्त

ख -- पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

'मिस्टर अभिमन्यु'

१ 'मिस्टर अभिमन्यु' नामकरण की सार्थकता

२ 'मिस्टर अभिमन्यु' में राष्ट्रीयता की भावना

३ 'मिस्टर अभिमन्य' की पात्र–योजना

४ 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय

५ 'मिस्टर अभिमन्यु' की अभिनेयता

६ लक्ष्मीनारायण लाल का साहित्यिक परिचय

शम्बूक

१ 'शंबूक' का प्रतिपाद्य

२ 'शंबूक' की पात्र–योजना

३ 'शंबूक' का काव्य–रूप

४ 'शंबूक' की प्रासंगिकता

५ जगदीश गुप्त का साहित्यिक परिचय

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों पाठ्य पुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० ऑनर्स (हिंदी)

प्रथम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

दूसरा प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

खंड-१

भाषा की परिभाषा
भाषा की प्रकति
भाषा की व्यावहारिक व्यवस्था
भाषा–अध्ययन की दिशाएँ

खंड-२

पश्चिमी हिंदी की बोलियों (ब्रज, कौरवी, हरियाणवी, कन्नौजी, बुंदेली) का परिचय
पूर्वी हिंदी की बोलियों (अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी) का परिचय
मानक हिंदी की विशेषताएँ

खंड-३

हिंदी स्वर एवं व्यंजन ध्वनियों का सामान्य परिचय
हिंदी शब्दों का वर्गीकरण
हिंदी वर्तनी

खंड-४

हिंदी पद और पद– भेद
समस्त पद
अर्थ परिभाषा एवं शब्द–अर्थ–संबंध
अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ

खंड-५

नागरी लिपि का वर्तमान–स्वरूप
नागरी लिपि की विशेषताएँ
नागरी लिपि का मानकीकरण

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४० अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

द्वितीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

pa¡pok¡ प्रश्नपत्र : हिन्दी उपन्यास

क -- पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास

१ त्यागपत्र : जैनेन्द्र कुमार
२ महाभोज : मन्नू भण्डारी

ख -- पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

त्यागपत्र

१ 'त्यागपत्र' का मूल प्रतिपाद्य
२ 'त्यागपत्र' की पात्र–योजना
३ 'त्यागपत्र' की उपन्यास–कला
४ 'त्यागपत्र' की प्रासंगिकता
५ जैनेन्द्र कुमार का साहित्यिक परिचय

महाभोज

१ 'महाभोज' का उद्देश्य
२ 'महाभोज' की पात्र–योजना
३ 'महाभोज' नामकरण की सार्थकता
४ 'महाभोज' की उपन्यास–कला
५ मन्नू भण्डारी का साहित्यिक परिचय

निर्देश --

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों पाठ्य पुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं।पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

द्वितीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

छठा प्रश्नपत्र : साहित्यालोचन

१ काव्य का स्वरूप, काव्य के तत्व, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु

२ भारतीय काव्य सिद्धान्त : रस सिद्धान्त, अलंकार सिद्धान्त, रीति सिद्धान्त, वक्रोक्ति सिद्धान्त, ध्वनि सिद्धान्त, औचित्य सिद्धान्त ।

३ प्रमुख पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : प्लेटो का काव्य सिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, लोंजाइनस का उदात्त तत्व, कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त, रिचर्ड्स का संवेगों का संतुलन ।

४ विविध काव्यशास्त्रीय वाद : आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, अभिव्यंजनावाद, मनोविश्लेषणवाद।

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ४० अंकों का होगा।

२ पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंक का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

प्रस्तावित ग्रन्थ :

१ काव्यशास्त्र–भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
२ भारतीय काव्यशास्त्र–डॉ० सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली ।
३ काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली ।
४ भारतीय काव्यशास्त्र–योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

ततीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

नौवाँ प्रश्नपत्र : मध्यकालीन हिन्दी कविता

(क)-- भक्तिकालीन काव्य-कलाप

सं० डॉ० रामसजन पाण्डेय ,
प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, १२७६/५, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।
मोबाइल न० 09991708080

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ कबीर का समाज सुधारक रूप
२ कबीर की भक्तिभावना
३ सूर का वात्सल्य वर्णन
४ सूर का श्रंगार वर्णन
५ तुलसी का समन्वयवाद
६ तुलसी की सार्थकता
७ जायसी का वियोग–वर्णन
८ पदमावत का महाकाव्यत्व
९ रैदास की भक्तिभावना
१० रैदास की सामाजिक चेतना

(ख)-- रीतिकालीन काव्य-कुंज

सं० डॉ० रामसजन पाण्डेय ,
प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, १२७६/५, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।
मोबाइल न० 09991708080

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ केशवदास का काव्य–वैशिष्ट्य
२ केशवदास का आचार्यत्व
३ देव का काव्य–वैशिष्ट्य
४ देव का अभिव्यक्ति–विधान
५ सतसई परम्परा में बिहारी सतसई का स्थान
६ बिहारी की बहुज्ञता
७ भूषण के काव्य का प्रतिपाद्य
८ सिद्ध कीजिए कि भूषण युग प्रवर्त्तक कवि हैं ।
९ घनानन्द का प्रेम–निरूपण
१० घनानन्द के काव्य का कलापक्ष

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित भक्तिकालीन हिंदी कविता और रीतिकालीन हिंदी कविता में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड से (भक्तिकाल तथा रीतिकाल से) दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ भक्तिकालीन हिन्दी कविता तथा रीतिकालीन हिन्दी कविता एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

ततीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

दसवाँ प्रश्नपत्र : आधुनिक हिन्दी कविता

आधुनिक काव्य प्रत्यय (छायावादी हिंदी कविता और छायावादोत्तर हिंदी कविता)

सं० डॉ० रामसजन पाण्डेय ,
प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, १२७६/५, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।
मोबाइल न० 09991708080

निर्धारित कवि और उनकी कविताएँ :

छायावादी हिंदी कविता :

१ **जयशंकर प्रसाद**–हिमाद्रि तुंगश्रंग से, जाग री, मेरे नाविक, आह! वेदना मिली विदाई, सौन्दर्य, । (५)

२ २ **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला**–भारती वन्दना, वसन्त आया, जागो फिर एक बार, बादल राग (१), ध्वनि, गहन है यह अन्धकारा, स्नेह निर्झर बह गया, (६)

३ **सुमित्रानंदन पंत**– तप रे !, ताज, द्रुत झरो, भारत माता, यह धरती कितना देती है। (५)

४ **महादेवी वर्मा**–धीरे–धीरे उतर क्षितिज से, मैं नीर भरी दुःख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित, जब ये दीप थके, यह मन्दिर का दीप । (५)

छायावादोत्तर हिंदी कविता

निर्धारित कवि और उनकी कविताएँ :

१ **स० ही० वात्स्यायन अज्ञेय**

निर्धारित कविताएँ–आज थका हिय हारिल मेरा, मैंने देखा एक बूँद, पानी बरसा, बावरा अहेरी, हिरोशिमा, सोन मछली, नदी के द्वीप। (७)

२ **धर्मवीर भारती**

निर्धारित कविताएँ–नवम्बर की दोपहर, उत्तर नहीं हूँ, संक्रांति, गैरिक वाणी, निर्माण–योजना, टूटा पहिया, । (६)

४ नागार्जुन

निर्धारित कविताएँ–प्रतिबद्ध हूँ, वह दंतुरित मुस्कान, सोनिया समंदर, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, सत्य। (६)

५ दुष्यन्त कुमार

निर्धारित गज़लें–कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए, कैसे मंज़र सामने आने लगे हैं, ये सारा जिस्म झुककर बोझ से दुहरा हुआ होगा, भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ, आज सड़कों पर लिखे हैं सैंकड़ों नारे न देख, बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं,। (६)

६ कुँवर नारायण

निर्धारित कविताएँ– चक्रव्यूह, ये पंक्तियाँ मेरे निकट, जब आदमी–आदमी नहीं रह पाता, अब की अगर लौटा तो, कविता, पुनश्च ।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, कवियों की काव्य–संवेदना तथा अभिव्यक्ति–कौशल पर आधारित प्रश्न ही पूछे जाएंगे ।

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित छायावादी हिन्दी कविता तथा छायावादोत्तर हिन्दी कविता में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी। पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा।

३ दोनों खण्डों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

ततीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र : कहानी साहित्य

प्रतिनिधि कहानियां : सं० डॉ० रोहिणी अग्रवाल

प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, १२७६/५, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।
मोबाइल न० 09991708080

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

निर्धारित कहानीकारों का साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों का प्रतिपाद्य तथा कहानी कला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।

निर्देश

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों में से आठ अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१३

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

तेरहवाँ प्रश्नपत्र : निबन्ध साहित्य

खण्ड-(क)-

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक

- निबन्ध निकष – सं० डॉ० रामचन्द्र तिवारी
  प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

निर्धारित निबन्ध-

१ साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है–बालकष्ण भट्ट
२ कवियों की उर्मिलाविषयक उदासीनता–महावीरप्रसाद द्विवेदी
३ मजदूरी और प्रेम – अध्यापक पूर्ण सिंह
४ कछुआ धरम – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
५ भारत की सांस्कतिक एकता – रामधारी सिंह दिनकर
६ चेतना का संस्कार – सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय
७ साहित्य में आत्माभिव्यक्ति – डॉ० नगेन्द्र
८ सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास–डॉ० रामविलास शर्मा

२ निर्धारित पाठ्यपुस्तकें और निर्धारित निबन्ध :

(i) **अशोक के फूल :** हजारीप्रसाद द्विवेदी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. अशोक के फूल
२. वसन्त आ गया

(ii) **वसंत आ गया** : विद्यानिवास मिश्र (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. अ़स्ति की पुकार–हिमालय
२. इन टूटे हुए दियों से काम चलाओ

(iii) **रस आखेटक** : कुबेरनाथ राय (भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. रस आखेटक
२. हरी हरी दूब और लाचार क्रोध

खण्ड-(ख)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित निबन्धों के प्रतिपाद्य तथा भाषा शैली पर आधारित प्रश्न ही पूछे जायेंगे ।

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों **खण्ड-(क)** तथा **खण्ड-(ख)** में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दोनों वर्गों से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक वर्ग में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों **खण्डो** के निबन्धों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक वर्ग से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम
(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

चौदहवाँ प्रश्नपत्र : संस्मरण और आत्मकथा

निर्धारित पाठ्यपुस्तक

१ पथ के साथी – महादेवी वर्मा

२ क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा : भाग–१)
राजपाल एण्ड संज, कश्मीरी गेट, दिल्ली ।
फोन : ०११–२३८६६८१२, २३८६५४८३

खण्ड-(क)

- 'पथ के साथी' पर निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
  १ महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय
  २ पाठ्यपुस्तक में निर्धारित पाठों का प्रतिपाद्य और शिल्प

खण्ड-(ख)-

- 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' पर निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
  १ बच्चन का साहित्यिक परिचय
  २ आत्मकथा लेखन की परम्परा
  ३ 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' का प्रतिपाद्य
  ४ 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के आधार पर बच्चन का जीवन
  ५ आत्मकथा के निकष पर : 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ'

निर्देश

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों पाठ्य पुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम
(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल तथा रीतिकाल)

आदिकाल :

१ हिन्दी साहित्येतिहास–लेखन की परम्परा
२ हिन्दी साहित्य : काल–विभाजन एवं नामकरण
३ आदिकाल का नामकरण
४ आदिकालीन हिन्दी कविता का परिवेश
५ आदिकालीन हिन्दी कविता की प्रवत्तियाँ
६ रासो काव्य परम्परा
७ अमीर खुसरो की हिन्दी कविता

भक्तिकाल :

१ भक्तिकाल का प्रेरणास्रोत
२ निर्गुण काव्य : परम्परा और प्रवत्तियाँ
३ सूफी काव्य : परम्परा और प्रवत्तियाँ
४ कष्ण काव्य : परम्परा और प्रवत्तियाँ
५ राम काव्य : परम्परा और प्रवत्तियाँ
६ भक्तिकाल की उपलब्धियाँ

रीतिकाल :

१ रीतिकाल का नामकरण
२ रीतिकाल की पष्ठभूमि
३ रीतिकाव्य की प्रवत्तियाँ
४ रीतिमुक्त काव्य की प्रवत्तियाँ
५ रीतिकवियों का आचार्यत्व

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४० अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

पंचम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

सत्रहवाँ प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

खण्ड-(क) आधुनिक काल : काव्य का इतिहास

१ आधुनिक हिन्दी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका
२ भारतेन्दुयुगीन हिन्दी काव्य की प्रवत्तियाँ
३ द्विवेदीयुगीन हिन्दी काव्य की प्रवत्तियाँ
४ छायावाद की प्रवत्तियाँ
५ प्रगतिवाद की प्रवत्तियाँ
६ प्रयोगवाद की प्रवत्तियाँ
७ नयी कविता की प्रवत्तियाँ
८ समकालीन कविता की प्रवत्तियाँ

खण्ड-(ख) आधुनिक काल : गद्य का इतिहास

१ हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास
२ हिन्दी एकांकी : उद्‌भव और विकास
३ हिन्दी निबन्ध : उद्‌भव और विकास
४ हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास
५ हिन्दी कहानी : उद्‌भव और विकास
६ हिन्दी आलोचना : उद्‌भव और विकास
७ हिन्दी आत्मकथा : उद्‌भव और विकास
८ हिन्दी जीवनी : उद्‌भव और विकास

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४० अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

पंचम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

अठारहवाँ प्रश्नपत्र : पत्रकारिता और अनुवाद

खण्ड-(क) : पत्रकारिता

१ पत्रकारिता : परिभाषा और स्वरूप
२ समाचार : संकलन, स्रोत एवं संवाददाता
३ सम्पादन कला एवं संपादक मंडल
४ समाचार पत्रों के प्रमुख स्तम्भ : सम्पादकीय, फीचर लेखन, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, कार्टून
५ शीर्षक की संरचना एवं शीर्षक सम्पादन
६ पष्ठसज्जा
७ प्रेस सम्बन्धी प्रमुख कानून एवं आचार संहिता

खण्ड-(ख) : अनुवाद विज्ञान

१ अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप
२ स्रोतभाषा एवं लक्ष्यभाषा
३ अनुवाद : प्रक्रिया एवं प्रविधि
४ अनुवाद : विज्ञान या कला
५ अनुवादक के गुण
६ अनुवाद के प्रकार
७ अनुवाद का महत्व
८ काव्यानुवाद की समस्याएँ

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४० अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

पंचम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

उन्नीसवाँ प्रश्नपत्र : काव्यांग--परिचय

निर्धारित विषय

खण्ड-(क) : काव्य-भेद

१ महाकाव्य २ खण्डकाव्य ३ गीतिकाव्य

खण्ड-(ख) : विविध गद्य विधाएँ

१ उपन्यास २ कहानी ३ नाटक ४ निबन्ध

खण्ड-(ग)

१ रस–रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस के भेद तथा रसों का सोदाहरण परिचय

२ अलंकार : अलंकार का स्वरूप, अलंकार का महत्व, अलंकार–वर्गीकरण तथा प्रमुख अलंकारों का सोदाहरण परिचय–
अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति, समासोक्ति, अतिशयोक्ति, सन्देह, विरोधाभास, विभावना, मानवीकरण ।

३ छंद–छंद का स्वरूप, छंदों का वर्गीकरण, प्रमुख छंदों का सोदाहरण परिचय–दोहा, चौपाई, बरवै, सोरठा, कुण्डलिया, छप्पय, सवैया, घनाक्षरी, स्वच्छंद अथवा मुक्तक छंद ।

४ काव्यगुण : परिभाषा और स्वरूप, काव्यगुण के भेद–प्रसाद, माधुर्य तथा ओजगुण ।

५ शब्द शक्तियाँ : परिभाषा एवं स्वरूप, भेद–अभिधा, लक्षणा और व्यंजना ।

निर्देश

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४० अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

इक्कीसवाँ प्रश्नपत्र : निबन्ध-लेखन

निबन्ध हेतु निर्धारित विषय

खण्ड-(क) : साहित्यिक और सामान्य निबन्ध

१ साहित्य और समाज
२ राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान
३ समाजसुधारक कबीर
४ लोकनायक तुलसीदास
५ भक्तिकाल : स्वर्णयुग
६ छायावाद
७ प्रगतिवाद
८ प्रयोगवाद
९ रहस्यवाद
१० भ्रष्टाचार : कारण और निवारण
११ राष्ट्रनिर्माण में नारी का योगदान
१२ हिन्दी का विश्वव्यापी स्वरूप
१३ पर्यावरण और हम
१४ मानवाधिकार
१५ भूमण्डलीकरण

खण्ड-(ख) : सूक्तिपरक निबन्ध

१ अहिंसा परमोधर्मः
२ नर हो न निराश करो मन को
३ दादा न भैया, सबसे बड़ा रूपैया
४ जहाँ चाह, वहाँ राह
५ परहित सरिस धरम नहिं भाई
६ मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना
७ जीओ और जीने दो
८ निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
९ दैव–दैव आलसी पुकारा
१० मनुष्य है वही जो मनुष्य के लिए मरे

निर्देश :

पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड क तथा ख में से चार–चार निबन्ध पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड से एक–एक निबन्ध लिखना होगा । प्रत्येक निबन्ध ४०–४० अंकों का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

नोट : पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र विकल्पों का है । निम्नलिखित चार विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन विद्यार्थियों को करना होगा । चारों विकल्प इस प्रकार हैं-

बाईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-१ : कबीरदास
बाईसवाँ प्रश्न पत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-२ : सूरदास
बाईसवाँ प्रश्न पत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-३ : कवि निराला
बाईसवाँ प्रश्न पत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-४ : कवि अज्ञेय

बाईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-१ : कबीरदास

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कबीर ग्रन्थावली-संपादक : डॉ० श्यामसुन्दरदास
निर्धारित साखी तथा पद

साखी - गुरूदेव कौ अंग, सुमिरण कौ अंग, बिरह कौ अंग, चितावणी कौ अंग ।

पद - १, २, ३, ११, १६, २१, २३, २४, ३२, ३३, ३४, ३७, ३८, ३६, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४६, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ६०, ६१, ६३, ६४, ६५, ७८, ७६, ८०, ८४, ८६, ६१, ६२, ६६, १००, १११, ११३, ११४, ११७, १२०, १२६=५०

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

कबीर का युग
कबीर का जीवन
कबीर का साहित्य
कबीर की सामाजिक चेतना
कबीर की दार्शनिक चेतना
कबीर की मानवतावादी चेतना
कबीर की भक्ति भावना
कबीर का रहस्यवाद
कबीर की भाषा
कबीर का कलापक्ष
कबीर–साहित्य में प्रमुख पारिभाषिक शब्द : उन्मनि, नाद, बिन्दु, आकाश ।

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ निर्धारित साखी और पद एवं कबीर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

बाईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-२ : सूरदास

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

भ्रमरगीत सार – संपादक–रामचन्द्र शुक्ल
पद संख्या – २१ से १२१ तक =१०१ पद

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

सूर का युग
सूर का जीवन
सूर का साहित्य
सूर का वात्सल्य वर्णन
सूर का श्रंगार वर्णन
सूर की भक्तिभावना
सूर का सौन्दर्यबोध
सूर की दार्शनिक चेतना
सूर का प्रकति चित्रण
सूर की गीति योजना
सूर की काव्य भाषा

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पाठय्क्रम मे निर्धारित पदों तथा सूर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

बाईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-३ : कवि निराला

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

राग–विराग : संपादक–रामविलास शर्मा

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

निराला का युग
निराला का जीवन
निराला की काव्य–कतियाँ
निराला : बहु वस्तु स्पर्शिनी प्रतिभा के कवि
निराला की राष्ट्रीय चेतना
निराला का मानवतावादी दष्टिकोण
निराला की प्रगतिशील चेतना
निराला की लम्बी कविताएँ : संवेदना और शिल्प
निराला की गीति योजना
निराला की काव्य भाषा
निराला का मुक्तछंद
निराला की भाषा
निराला का अभिव्यक्ति सौष्ठव

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी। पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा।

३ पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं तथा निराला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं व चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

बाईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-४ : कवि अज्ञेय

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

अज्ञेय : सम्पादक – विद्यानिवास मिश्र

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

अज्ञेय का जीवन
अज्ञेय का युग
अज्ञेय की काव्य कतियाँ
प्रयोगवादी काव्य परम्परा में अज्ञेय
असाध्यवीणा : संवेदना और शिल्प
अज्ञेय की काव्य–संवेदना
अज्ञेय का प्रकति वर्णन
अज्ञेय की काव्य भाषा
अज्ञेय का शिल्प विधान

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को कन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं तथा अज्ञेय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम
(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

नोट : तेईसवाँ प्रश्नपत्र विकल्पों का है । निम्नलिखित तीन विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन विद्यार्थियों को करना होगा । तीनों विकल्प इस प्रकार हैं-

तेईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-१ : उपन्यासकार प्रेमचन्द
तेईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-२ : नाटककार जयशंकर प्रसाद
तेईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-३ : निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

तेईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-१ : उपन्यासकार प्रेमचन्द

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

निर्धारित उपन्यास

१ रंगभूमि – प्रेमचन्द
२ सेवासदन – प्रेमचन्द

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

प्रेमचन्द का जीवन
प्रेमचन्द का समय
प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य

निर्धारित उपन्यासों पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे–

प्रतिपाद्य, चरित्र–चित्रण, युगीन समस्या–निरूपण, गांधीवादी चेतना

निर्देश--

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

तेईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-२ : नाटककार जयशंकर प्रसाद

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

निर्धारित नाटक

१ अजातशत्रु – जयशंकर प्रसाद

२ ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- प्रसाद का जीवन
- प्रसाद का समय
- प्रसाद का नाट्य साहित्य : सामान्य परिचय
- निर्धारित नाटकों पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे–
  प्रतिपाद्य, चरित्र–चित्रण, इतिहास और कल्पना का योग, अभिनेयता
- हिन्दी नाट्य परम्परा को प्रसाद का योगदान

निर्देश--

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

तेईसवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-३ : निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

चिन्तामणि भाग–१ : रामचन्द्र शुक्ल

इस पुस्तक से निम्नलिखित निबन्ध पाठ्यक्रम में शामिल किये जाते हैं–

१ भाव या मनोविकार
२ उत्साह
३ श्रद्धा–भक्ति
४ करुणा
५ लज्जा और ग्लानि
६ लोभ और प्रीति
७ घणा
८ ईर्ष्या
९ भय
१० क्रोध
११ कविता क्या है ?
१२ काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- आचार्य शुक्ल का जीवन
- आचार्य शुक्ल का युग
- आचार्य शुक्ल का निबन्ध साहित्य
- पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों का प्रतिपाद्य और शिल्प
- हिन्दी निबन्ध परम्परा को शुक्ल का योगदान

निर्देश

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/ निबन्धों में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी। पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा।

३ पाठ्य पुस्तक एवं लेखक पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।